भी प्राइवेट डेरियों के समतुल्य दुग्ध खरीद दरें बनाए रखने का प्रयास करा रहा है, जिससे किसान दुग्ध संघ एवं सहकारिता से जुड़ा रहे।

हादरपुर गाँव में पूर्व में समिति का गठन किया जा चुका है एवं समिति कार्यरत भी रह चुकी है। परंतु विभिन्न दूधियों, निजी एवं प्राइवेट डेरियों के प्रभाव के कारण समिति बंद हो चुकी थी, जिससे किसानों का शोषण हुआ। अंततः दुग्ध उत्पादकों को सहकारी समिति का महत्व समझ आया। क्षेत्र पर्यवेक्षकों ने गाँव के सर्वेक्षण में प्रतिस्पर्धा के बावजूद गाँव में बेचने योग्य दूध की उपलब्धता पाई एवं किसानों से चर्चा कर राष्ट्रीय डेरी योज़ना के अंतर्गत समिति खोलने का प्रस्ताव रखा।

गाँव में समिति खोलने के कुछ माह बाद डी.पी.एम.सी.यू., डाटा प्रॉसेसर दूध संग्रह यूनिट (DPMCU) उपलब्ध कराया गया, जिससे दूध उत्पादक के सामने दूध की गुणवत्ता की जाँच एवं दूध के मूल्य का भुगतान उसकी गुणवत्ता के आधार पर किया जा सके। साथ ही साथ क्षेत्र पर्यवेक्षकों ने आणंद मॉडल के अंतर्गत समितियों से दुग्ध उत्पादकों को होने वाले फायदों एवं अन्य सुविधाओं जैसे पशु आहार की व्यवस्था, मिनरल मिक्सचर, थनैला की रोकथाम, पेट में कीड़े मारने की दवा एवं जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। हादरपुर दूध उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड के कार्य से खुश होकर सभी किसान जुड़ते चले गए एवं प्राइवेट डेरी मधुसूदन बंद हो गई। किसानों ने सहकारिता के माध्यम से एकजुट होकर बाहरी क्षेत्र से आई मुनाफा बनाने वाली कंपनी का अपने गाँव से सफाया कर दिया। राष्ट्रीय डेरी योजना I (NDP I) के माध्यम से गाँव में सहकारिता एवं पारदार्शिता का संदेश प्रत्येक किसान तक पहुंचा।

प्रथम दिन समिति ने 50-60 लीटर दूध एकत्र किया एवं धीरे-धीरे गाँव के अन्य उत्पादक बन्धु भी जुड़ने लगे। वर्तमान में हादरपुर समिति दूध उत्पादकों से 90-100 लीटर दूध सुबह-शाम में एकत्र कर रही है।

दूध उत्पादकों को जागरूक करने के लिए महिला प्रसार अधिकारी एवं क्षेत्र पर्यवेक्षकों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वच्छ दूध उत्पादन, पर्यावरण एवं सामाजिक विषय पर कार्यशाला का भी आयोजन किया है। चारा विकास कार्यकम के अंतर्गत साईलेज बनाने की विधि का भी प्रदर्शन किया गया है। समिति निरंतर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है एवं दूध उत्पादकों का ने विश्वास दिखाया कि वे अपनी समिति को हमेशा मजबूत बनाए रखेंगे एवं दूधिया या अन्य किसी प्राइवेट संस्था की लुभाने वाली बातों में नहीं आएंगे।

समिति के विषय में कुछ संक्षिप्त जानकारी निम्न तालिका में दी गयी हैं।

संख्या	उत्पादक सदस्य	पुरूष	महिला	एससी/एसटी
		30	10	5
	दूध उत्पादन (ली.)	सुबह	शाम	कुल
		51.20	46.60	97.8
	फैट	6.50	7.00	
	एस.एन.एफ	9.00	8.80	

मोहम्मद राशिद, प्रबन्धक-सी.एस. एन.डी.डी.बी.,लखनऊ